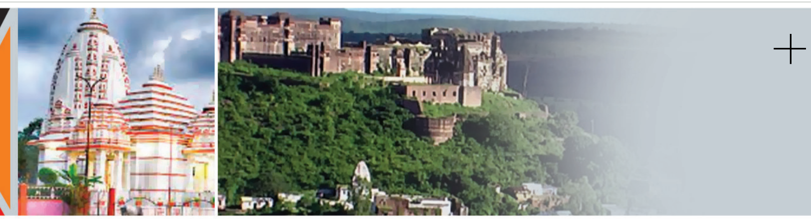

एक नजर में

पचोर में जगन्नाथजी की रथयात्रा 5 को

पचोर 01 जुलाई, सं. आगामी 5 जुलाई को पचोर नगर में भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा का भव्य आयोजन किया जाएगा. जानकारी के अनुसार आगामी 5 जुलाई को शाम 5 बजे थाना परिसर शिवालय से यात्रा आरंभ होगी जो कि गोपाल मंदिर पुरानी पचोर पहुंचेगी. यहां महाआरती के साथ भात प्रसाद का वितरण होगा. आयोजन समिति ने बताया कि समस्त सनातनी धर्मावलंबी महानुभाव, माता बहनों, युवा साथीगण आगामी शनिवार को ऐतिहासिक परम्परा के साक्षी बनेंगे. जब भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा निकाली जाकर, जगन्नाथ के भात का प्रसाद पाकर, जीवन धन्य बनाया जा सकेगा. यात्रा में बैंड बाजे, डीजे नहीं होंगे, ढोल, भजन मंडली, और जयकारे के बीच, अपने हाथों से रथ खींचते हुए, यात्रा संचालित होगी.

दिव्यांग मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाएं

राजगढ़ 01 जुलाई, का. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश ने दिव्यांग मतदाताओं के मताधिकार के दृष्टिगत आयोग द्वारा मतदान केन्द्रों में बुनियादी न्यूनतम सुविधाओं को सुदृढ़ बनाया गया है. दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हील चेयर, रैंप, बड़े अक्षरों में साइनेज, टोकन सिस्टम, बैठने की सुगम व्यवस्था, पीने का पानी, दिव्यागजनों के लिए अनुकूल शौचालय इत्यादि की व्यवस्था गई है. दिव्यांगजन अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सके साथ ही यह भी पता लगा सके, इसके लिए की सुविधा प्रदान की गई है. यह मोबाइल एप्लीकेशन ऐप है. दिव्यांग मतदाता द्वारा वोटर हेल्पलाइन एप/एनव्हीएसपी पोर्टल के माध्यम से अपनी दिव्यांगता की स्थिति को अद्यतन कर सकता है. दृष्टिहीन दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए ब्रेल लिपी में मतदाता परिचय पत्र एवं मतपत्र की सुविधा प्रदान की गई है. चुनाव से पूर्व दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान अधिकारियों, पुलिस कर्मियों और गैर सरकारी सगठनों इत्यादि को दिव्यागजनों से सम्मानपूर्वक बातचीत करने एवं उनकी आवश्यकताओं को पहचान कर उसके अनुरूप मतदान को अधिक सुलभ बनाने के लिये प्रशिक्षण दिए जाने की भी व्यवस्था की गई है.

ई अटेंडेंस शुरू, लेकिन जिले में मॉनिटरिंग नहीं

ई अटेंडेंस से जवाबदेही शुरु, लेकिन जिले में नहीं हो पाएगी मॉनिटरिंग, कैसे पता लगे धरातल पर कितना होगा पालन

शिक्षा व्यवस्था में सुधार हेतु 1 जुलाई से ई अटेंडेंस लागू

नवाचार लेकिन शिक्षकों ने जताया विरोध, कहा हम पर ही क्यों लागू हो रही है ई अटेंडेंस व्यवस्था

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 01 जुलाई, का. स्कूलों में अनुशासन बनाने, जवाबदेही के साथ ही शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाने शासन द्वारा 1 जुलाई से ई अटेंडेंस को लागू किया गया है. किंतु इसके लागू होने के पूर्व ही इसको लेकर विरोध प्रदर्शन हुए. ई अटेंडेंस का यह कहते हुए काफी विरोध हुआ कि शिक्षा विभाग के साथ ही अन्य विभागों में भी इसको लागू किया जाये. साथ ही इसमें कई त्रुटियां बताते हुए इसे लागू नहीं करने की मांग की. इन सब विरोध प्रदर्शन के बीच आखिरकार 1 जुलाई से ई अटेंडेंस लागू तो हो गया किंतु

इसके सिस्टम का संचालन सीधे भोपाल से होने से यह अंदाजा लगा पाना मुश्किल है कि पहले दिन इसका कितना पालन जिले में हुआ है.

प्राय: कुछ शिक्षकों के समय पर स्कूल नहीं पहुंचने, समय से पूर्व लौट आने तथा इससे शैक्षणिक व्यवस्था के प्रभावित होने संबंधी शिकायतें सामने आती रही है इसको दृष्टिगत रखते हुए तथा शिक्षा में अनुशासन, जवाबदेही तय करते हुए शिक्षा व्यवस्था के स्तर को और अधिक बेहतर करने शासन द्वारा ई अटेंडेंस को लागू करने का निर्णय लिया गया. इस संबंध में विभाग का कहना है कि वह शासन के निर्देशों का पालन करते हुए फिलहाल इसकी समीक्षा करेंगे.

हालांकि तथ्य यह भी है कि जिला स्तर पर इसकी मॉनिटरिंग करने के लिए कोई तकनीकि विकल्प नहीं है. इसकी मॉनिटरिंग सीधे भोपाल सेंटर से होगी. यानी कितने लोगों ने नई व्यवस्था के तहत उपस्थिति लगाई है यह स्थानीय स्तर पर पता नहीं चल सकेगा.

स्कूल शुरू होने के 1 घंटे तक लगा सकते हैं उपस्थिति

जानकारी के अनुसार वर्तमान में स्कूलों का समय प्रात: 10 .30 बजे से शुरु होकर शाम 4 बजे तक है. ई अटेंडेंस में शिक्षक प्रात: 10 .30 से 11 .30 बजे तक अटेंडेंस लगा सकेंगे. जबकि स्कूल से लौटने का समय भी शाम 4 से 4 .30 तक निर्धारित किया गया है ऐसे में समय में भी रियायत होगी.

सोशल मिडिया पर भी चर्चा में

शासन द्वारा लागू ई अटेंडेंस सोशल मिडिया पर भी काफी चर्चा में है. इसको लेकर लोगों का कहना है कि यह एक अच्छी पहल है. इससे शिक्षा में सुधार होकर स्कूल समय पर संचालित होंगे. इसका लाभ निश्चित रुप से बच्चों को मिलेगा. परन्तु इसका कितना पालन धरातल पर होता है इसको परखने जिला स्तर पर भी मॉनिटरिंग की जरुरत होगी ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके.

ई अटेंडेंस संबंधी जानकारी रात 12 बजे तक पोर्टल पर अपडेट होगी. उसके बाद ही उपस्थिति की स्थिति स्पष्ट होगी. यदि कोई शिक्षक अटेंडेंस नहीं डालने को लेकर दबाव बनाते है तो संबंधित के विरुद्ध कार्यवाई की जाएगी.

करण सिंह भिलाला
जिला शिक्षा अधिकारी
राजगढ़

हम पर ही क्यों लागू किया जा रहा

ई अटेंडेंस को लेकर इसका विरोध करते हुए जिले में भी शिक्षकों के संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन करते हुए इसे लागू नहीं करने की मांग की. इनका कहना है कि यह शिक्षकों के लिए ही क्यों लागू किया जा रहा है और भी अन्य विभाग है उनमें इसे लागू क्यों नहीं किया जा रहा है. साथ ही इसमें कुछ त्रुटियां है. जैसे कि नेटवर्क नहीं मिलने, शिक्षकों को अन्य कार्यो में भी ड्यूटी लगा देने पर कैसे ई अटेंडेंस लग पाएगी. गौरतलब है कि ई अटेंडेंस में मोबाईल एप या पोर्टल के माध्यम से शिक्षकों को अपने स्कूल स्थल पर पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना होगी. विशेष बात यह है कि इसका सर्वर सिस्टम डीपीआई भोपाल से संचालित होगा. जिला स्तर पर यह पता नहीं चल सकेगा कि कितने शिक्षकों ने ई अटेंडेंस का पालन किया है.

अतिवृष्टि से खेतों में दफन हुआ बीज, दोबारा बोवनी

कई जगह मंगलवार को दोबारा बोवनी की

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 01 जुलाई, का. इस बार जून माह में अनुकूल बारिश होते ही सही समय पर बोवनी का कार्य प्रारंभ हो गया था. कहीं तेज तो कही मध्यम बारिश के बीच बोवनी कर दी गई किंतु कई जगह बोवनी के बाद तेज बारिश से खेतो में बीज के ऊपर मिट्टी आने से बीज वहीं दफन हो गया. बीज अंकुरण नहीं होने पर अब किसान दोबारा बोवनी कर रहे है. मंगलवार को अनेक जगह दोबारा बोवनी की गई. इससे किसानों को अतिरिक्त रुप से खर्चा वहन करना पड़ रहा है.

जानकारी के अनुसार नरसिंहगढ़ रोड पर पगारी बंगला के समीप ग्राम खानपुरा, मोई, चांदबड़, ताजपुरा, खेड़ा सहित अन्य गांवों में कई किसानों को दोबारा बोवनी करना पड़ रही है. पूर्व में यहां बारिश होने पर 20–22 जून को बोवनी कर दी गई थी. परन्तु 26– 27 जून को तेज बारिश के चलते बीज के ऊपर मिट्टी की परत बिछ गई जिससे बीज दफन हो गया.

सुठालिया क्षेत्र के ग्राम कानेड़, बांसखो, नापानेरा, नेवली, नेवज, खनोटा, पारसाना आदि जगह पर अधिक बारिश से बीज के ऊपर मिट्टी की परत जमने पर दोबारा बोवनी करने की जानकारी आई है.

एनएस हरियाले
वरिष्ठ कृषि अधिकारी, कृषि विभाग ब्यावरा

अतिरिक्त खर्च हो रहा

दोबारा बोवनी में अतिरिक्त खर्च हो रहा है. कृषक कैलाशनारायण पिता प्रभुलाल के अनुसार तेज बारिश से उनके तीन बीघा में दोबारा बोवनी कर रहे है. इसी प्रकार कृषक रोडीलाल, केवल सिंह, चैन सिंह, कन्हैयालाल, बद्रीलाल सहित किसानों का कहना है कि बारिश से बीज के ऊपर मिट्टी जमा होने से अंकुरण नहीं हो पाया. दोबारा बोवनी करना पड़ रहा है. इसी प्रकार सुठालिया क्षेत्र के ग्राम कानेड़, बांसखो, नापानेरा, नेवली, नेवज, खनोटा, पारसाना में भी कई खेतों में दोबारा बोवनी की जा रही है. कृषि विभाग के अनुसार क्षेत्र में 90 प्रतिशत बोवनी का कार्य हो चुका है.

श्रमिकों के बच्चों को 25 हजार रुपये तक छात्रवृत्ति

राजगढ़ 25 जून, का. श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा संचालित शिक्षा के लिये वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत राज्य के बीड़ी, चूना पत्थर एवं डोलोमाईट, लौह–मैग्नीज–क्रोम अयस्क खदान श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहन प्रदान करने के लिये छात्रवृत्ति दी जाएगी.

27 सालों तक एक ही गांव में रहकर दी सेवाएं, सेवानिवृत्ति पर दी विदाई

नवभारत न्यूज

सुठालिया 01 जुलाई, सं. एक ही संस्था में रहकर अपनी पूरा सेवाकाल वही पूर्ण कर सेवानिवृत हो जाना किसी के लिए भी एक गौरव और सम्मान की बात होती है. कुछ ऐसा ही क्षण सोमवार को उस समय देखने को मिला जब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र टोड़ी में पदस्थ राजेंद्र गुप्ता के सम्मान में

स्वास्थ्य केंद्र की ओर से विदाई समारोह रखा गया. श्री गुप्ता अपनी 27 साल का सेवाकाल इसी स्वास्थ्य केंद्र में पूर्ण करते हुए 30 जून को अपनी अनवरत सेवा के बाद सेवानिवृत हो गए. समारोह में संस्था प्रभारी डॉ जतिन सेन एवं सरपंच धनराज गुर्जर ने श्री गुप्ता को शाल श्रीफल पुष्पहार पहनाकर साफा बांधकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया. इस दौरान सभी ग्रामवासियों एवं स्टाफ ने उन्हें बधाई देते हुए श्री गुप्ता एवं उनकी पत्नी को उपहार देकर सम्मान किया. संस्था प्रभारी डॉ सेन ने उनके कार्यकाल की प्रशंसा की एवं उनके स्वस्थ संपन्न और सुखद जीवन की कामना की. इस अवसर पर भंवर सिंह बना, बलराम बना, बबलू बना, मूलसिंह बना, आलोक कुमार सोनी, धीरेन्द्र यादव, गिरिराज पालीवाल समस्त टोडी स्टाफ आशा कार्यकर्ता आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित थे.

इस प्रकार बनाया गया रपटा भी अब बह गया है. *फाईल फोटो*

बैरसिया–नरसिंहगढ़ मार्ग अब पूर्णत: बंद हुआ

नवभारत न्यूज

नरसिंहगढ़ 01 जुलाई, सं. बीते 16 जनवरी को क्षतिग्रस्त हालत में पाए जाने के बाद अस्थाई रूप से बंद किए गए बैरसिया–नरसिंहगढ़ मार्ग को अब पूरी तरब बंद कर दिया गया है. पुलिया के समीप एक रपटा वैकल्पिक मार्ग के रूप में बना दिया गया था. लेकिन बीते दिनों से जारी बारिश के बाद वह भी जलमग्न हो चुका है. ऐसे में अब आवागमन इस मार्ग पर संभव नहीं है इसलिए बैरसिया और नरसिंहगढ के स्थानीय प्रशासन और पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से निरीक्षण करते हुए इसे बंद कर दिया है. आज बुधवार से यह मार्ग पूर्णत: बंद रहेगा. उल्लेखनीय है कि बरायठा गांव के समीप इस मार्ग पर बना पुल जर्जर हो चुका है. ग्रीष्म काल बीतने के बाद भी इस प्रकार काम अथवा रिपेयरिंग नहीं हो पाई. एक रपटा इसके बगल में बनाया था जो कि नदी में पानी नहीं होने पर आवागमन का विकल्प था. लेकिन वह भी बह चुका है इसलिए इसे बंद कर दिया है. बैरसिया एसडीएम आशुतोष शर्मा ने बताया कि रपटे पर पानी आया है. अब वाहन नजीराबाद होकर नरसिंहगढ़ आएंगे.

अब लहसुन–प्याज से महक रही ब्यावरा मण्डी

ब्यावरा मंडी में लहसुन, प्याज खरीदी से किसानों को हुई सुविधा, सप्ताह में दो दिन कृषि मंडी में हो रही लहसुन, प्याज की खरीदी

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 01 जुलाई, का. स्थानीय कृषि उपज मंडी में लहसुन एवं प्याज की खरीदी शुरु होने से आसपास एवं दूर दराज क्षेत्र के किसानों को काफी सुविधा होकर राहत पहुंची है. समीप ही मंडी में लहसुन एवं प्याज का विक्रय होने से काफी सुविधा पहुंची है वहीं टेक्स के रुप में कृषि मंडी की आय में भी इजाफा हुआ है.

गौरतलब है कि अभी तक जिले में एकमात्र नरसिंहगढ़ कृषि मंडी में ही लहसुन एवं प्याज की खरीदी की जा रही थी. राजगढ़, कालीपीठ, ब्यावरा, सुठालिया क्षेत्र के किसानों को लहसुन, प्याज का विक्रय करने नरसिंहगढ़

मंडी जाना पड़ रहा था. ब्यावरा एवं आसपास क्षेत्र से नरसिंहगढ़ मंडी जाने पर करीब 35 किमी का सफर तय करना पड़ रहा था. अब ब्यावरा में ही मंडी में खरीदी प्रारंभ होने से इतना लम्बा सफर एवं इस पर होने वाला व्यय बच सकेगा. इसी प्रकार सुठालिया क्षेत्र से भी किसान लहसुन, प्याज लेकर ब्यावरा मंडी आ रहे है. मंगलवार को मंडी में 350 क्विंटल लहसुन की आवक हुई. न्यूनतम भाव 2400 तथा उच्चतम भाव 7800 रुपये प्रति क्विंटल रहा.

मंडी की आय भी बढ़ी

ब्यावरा कृषि मंडी में लहसुन, प्याज की खरीदी शुरु होने तथा अच्छी आवक के चलते मंडी की आय में भी बढ़ोत्तरी होने लगी है. मंडी का 1 प्रतिशत टेक्स खरीदी से प्राप्त हो रहा है. यानि 100 रुपये पर 1 रुपये मंडी टेक्स लग रहा है. मंडी में रविवार एवं बुधवार को लहसुन, प्याज की खरीदी की जा रही है. गत रविवार एवं सोमवार को मंडी में अवकाश होने पर मंगलवार को खरीदी की गई जिसमें लहसुन एवं प्याज की अच्छी आवक रही. आज बुधवार को भी खरीदी कार्य होगा.

सुविधा से उत्साहित

ब्यावरा कृषि मंडी में लहसुन, प्याज की खरीदी प्रारंभ होने से किसान उत्साहित है. मंगलवार को मंडी में लहसुन लेकर आये हिरणखेड़ी निवासी कृषक घनश्याम, लसुल्डी निवासी शिवनारायण, टोंका निवासी रामप्रसाद का कहना है कि ब्यावरा मंडी में खरीदी शुरु होने से काफी सुवधा और राहत मिली है. समीप ही वह लहसुन, प्याज का विक्रय कर पा रहे है. पहले नरसिंहगढ़ कृषि मंडी या अन्य जगह जाना पड़ता था जिससे भाड़ा आदि में अधिक खर्च हो रहा था. यहां खरीदी प्रारंभ होने से काफी सुविधा हुई है.

ब्यावरा कृषि मंडी में लहसुन, प्याज की खरीदी कार्य शुरु होने से कृषको को काफी सुविधा हुई है. समीप ही मंडी में लहसुन, प्याज का विक्रय होने से भाड़ा व अन्य खर्च बचेगा. टेक्स के रुप में मंडी को भी आय प्राप्त होगी.

रामप्रसाद राज
मंडी सचिव, कृषि उपज मंडी

होम्योपैथी स्वास्थ्य केंद्रों पर अब हो सकेंगे भर्ती

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 25 जून, का. शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, आयुष परिसर मैनिट हिल्स भोपाल में स्थित होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र में महिलाओं में होने वाले मोटापे रोग का विशेष उपचार उपलब्ध है. होम्योपैथी वैलनेस सेंटर के लाभार्थियों को अब भर्ती होने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी. साथ ही जोड़ों में दर्द, मोटापा एवं पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम के उपचार के लिए विशेषज्ञ उपलब्ध रहेंगे. स्वास्थ्य कल्याण केंद्र इकाई केंद्रीय आयुष मंत्रालय के सहयोग एवं योग प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद के साथ मिलकर स्थापित की गई है. होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. जूही गुप्ता ने गत दिवस बताया कि वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं में हार्मोन्स के बदलाव के कारण जीवन के विभिन्न पड़ावों में मोटापे की समस्या, व्यापक एवं उग्र रूप धारण कर रही है. विशेषत: कामकाजी महिलाओं में यह समस्या नित नए रूप लेती जा रही है और साथ में जोड़ों में दर्द, कार्य करने की अनिच्छा, घबराहट जैसे कई अन्य लक्षण भी उत्पन्न कर रही है. भविष्य में यह समस्या शरीर में गंभीर असंतुलन और बड़ी बीमारियों को जन्म देने का कारक बनती है. केंद्रीय मंत्रालय के निर्देशानुसार होम्योपैथी विधा एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से मोटापे की समस्या के संपूर्ण निदान के लिए उक्त स्वास्थ्य केंद्र में उपचार की विशेषज्ञ सुविधा उपलब्ध है. दवाओं के अतिरिक्त दिनचर्या, आहार, प्रत्याहार मालिश, हाइड्रोथेरेपी, वाष्प स्नान के माध्यम से उक्त विशेष उपचार कार्यक्रम को स्वरूप दिया गया है. उपचार की अवधि व्यक्ति विशेष की आवश्यकताओं एवं शारीरिक स्थिति के अनुसार निर्धारित की जाती है. प्रत्येक व्यक्ति की दवा एवं थेरेपी विशेष रूप से स्क्रिप्ट की जाएगी एवं योग के माध्यम से इन परिणामों को और प्रभावी बनाया जाएगा. वर्तमान में होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र में प्रात: 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक समस्त सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध हैं. मोटापे के विशेष उपचार के लिए प्रात: 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक विशेषज्ञ डॉ. प्रिया कुलदीप एवं दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक विशेषज्ञ डॉ. ज्योति जाट की सेवाएं उपलब्ध रहेगी. विशेष उपचार कार्यक्रम का लाभ उठाने के लिए मोबाइल क्रमांक 9202663862 पर संपर्क किया जा सकता है. प्रथम आओ–प्रथम पाओ के आधार पर उपचार के लिए प्रतिदिन अधिकतम 12 अपॉइंटमेंट दिए जाते हैं.